INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

कविताएँ - कवयित्री : ज्योति गुप्ता

By : INVC Team Published On : 6 Feb, 2016 12:28 AM IST

कविताएँ

जोगी चाँद

यूँ खिड़की पर जो आते हो मन जोगन से क्या पाते हो न वचन कोई ना कोई सपना ले खाली दामन ही जाते हो, ... फिर बोलो जोगी रोज-रोज तुम खिड़की पर क्यों आते हो। रमने को कँही क्या बास नहीं क्या कोई भी तेरे पास नहीं रोते हो तब भी भाते हो ये दर्द सा कैसा गाते हो। जब कुण्डी - ताले सोते हैं दरवाजे ग़ाफ़िल होते हैं तुम खिड़की पर आ जाते हो और जी भर जब बतियाते हो इस धुंधले काले आलम पर तब धवल नदी सी बहती है तुम दिल को बेहद भाते हो शायद पहले के नाते हों। जोगी तुम इक बात कहो क्या तुमको नींद नहीं आती या नींद से तुमको प्यारी हूँ बचपन की जैसे यारी होऊं कल आएगी जब फिर रैना तुम जोगी तब ये भी कहना ये जो तप कुंदन के फेरे हैं क्या संग ही मेरे लेने हैं। आज कही है जोगी मैंने जो थी दिल में कुछ बातें कल कहना कैसे दिन बीता क्या-क्या दुनिया ने,की घातें। यूँ रात में मेरी खिड़की पर मैं जान गई क्युँ आते हो क्युँ नैनों में तकते रहते हो पर दूर जरा सा बहते हो...

जलती तीली

कभी मेरे पास सिगरेट कँहा रहा पर जलते ख्यालों से इक सिगरेट सुलगाना है कि, जब छींटे बारिश के उंगलियों को होठो को , बदन के हर गोशे को भिगों दें, भिंगो - भिंगो कर थका दें , कि, जब आँखों से कोई आस बारिश का छाता ओढ़ कर बेधड़क निकल पड़े , तो सिगरेट सुलगा कर सुलगती कुछ चाहतों को दिखाना चाहती हूँ, एक जलती तीली।

परिचय - :

ज्योति गुप्ता

लेखिका व् कवयित्री

लेखन - : अख़बार, पत्रिका, ई-पत्रिका में

संपर्क- निवास-- बोरिंग रोड, पटना , E-mail - : jtgupta9@gmail.com , Mob- : 9572418078

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/कविताएँ-कवयित्री-ज्योति/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com